Page No.
Date

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2026

आज दिनांक 15/04/2026 को स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय महाविद्यालय मोपका निपनिया में कौशल विकास के अंतर्गत प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के बारे में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रुक्मिणी छात्र-छात्राओं को बताया गया है। इस योजना के अंतर्गत 21 से 24 वर्ष के युवाओं को कम्पनी में इंटर्नशिप करने का प्रावधान है। इंटर्न को प्रतिमाह 5000 रु. राशि दी जायेगी। इसप्रकार P.M.I.S के बारे में अन्य जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अभिलाषा सैनी, कौशल विकास समिति प्रभारी नेहा केरकेट्टा, डॉ. अमित कुमार, युवराज सिंह दीक्षित, रोशनी अग्रवाल, दुर्योधन निषाद, रुक्मिणी छात्र एवं अन्य छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

(I) डॉ. अभिलाषा सैनी (प्राचार्य) - A. Saini

(II) नेहा केरकेट्टा - [signature]

(III) डॉ. अमित कुमार - [signature]

(IV) युवराज सिंह दीक्षित - [signature]

(V) दुर्योधन निषाद - D. Nishad

(VI) रोशनी अग्रवाल - R. Agrawal

A. Saini
प्राचार्य
स्व. रामनाथ वर्मा शासकीय
महाविद्यालय मोपका - निपनिया
जि. बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

Page No.
Date

Scanned with OKEN Scanner

Page No.
Date

① मुकेश कुमार	Mky
② शैलेन्द्र कुमार	शैलेन्द्र
③ लखन लाल	लखन लाल
④ निलेश कुमार	निलेश
⑤ राकेश कुमार	Rakesh
⑥ खिलेश्वर साहू	खिलेश्वर
⑥ सरिता विश्वकर्मा	सरिता
⑦ लता धीवर	लता
⑧ प्रीतम निषाद	प्रितम

Scanned with OKEN Scanner

कार्यस्थल पर वास्तविक समानता के लिए और कितना इंतजार करना होगा? विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, वर्तमान प्रगति दर से, लैंगिक समानता हासिल करने

मुद्दा नहीं है - यह एक आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट है. हर दिन जब लैंगिक समानता में देरी होती है, तो व्यवसाय, अर्थव्यवस्था और समाज पीड़ित होते हैं.

समग्र सामाजिक प्रगति अवरुद्ध हो जाती है.

स्वतः परिवर्तन की प्रतीक्षा कोई विकल्प नहीं है. वेतन पारदर्शिता, पक्षपात रहित नियुक्ति, और मेंटरशिप और प्रायोजन तक समान पहुंच को तत्काल

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के साथ कॅरिअर की अपार संभावनाएं

ईएन टीम

रोजगार के आकांक्षी युवाओं को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) राउंड 2 के साथ वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने के मौके का लाभ उठाना चाहिए. पंजीकरण 12 मार्च तक खुले हैं, जो पूरे भारत में 730 से अधिक जिलों में एक लाख से अधिक इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करते हैं. राउंड 1 में छह लाख से अधिक आवेदनों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, यह चरण युवा पेशेवरों के लिए अपनी रोजगार क्षमता बढ़ाने का और भी बड़ा मौका लेकर आया है.

यह योजना युवा व्यक्तियों को तेल और ऊर्जा, बैंकिंग, ऑटोमोटिव, विनिर्माण, FMCG और कई अन्य क्षेत्रों की 300 से अधिक अग्रणी कंपनियों में व्यावहारिक अनुभव, उद्योग प्रदर्शन और पेशेवर नेटवर्किंग प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है. इन इंटर्नशिप का उद्देश्य रोजगार क्षमता और कौशल विकास को बढ़ाना है, उम्मीदवारों को भविष्य की कॅरिअर संभावनाओं के लिए तैयार करना है.

योग्य आवेदक, जिनकी आयु 21-24 वर्ष है और जो वर्तमान में पूर्णकालिक शिक्षा या रोजगार में नामांकित नहीं हैं, वे अपने पसंदीदा क्षेत्र, जिले और राज्य के आधार पर अधिकतम तीन इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं. इंटर्न को वित्तीय सहायता के रूप में प्रति माह 5,000 रुपये और 1000 रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलेगा. प्रत्येक इंटर्नशिप में कम से कम छह महीने का व्यावसायिक अनुभव और सार्थक कौशल निर्माण सुनिश्चित करने के लिए प्रासंगिक प्रशिक्षण शामिल है.

अधिकतम पहुंच तक के लिए, सबसे अधिक इंटर्नशिप अवसरों वाले जिलों में कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITIs) और रोजगार मेलों में 70 से अधिक सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसके अतिरिक्त, इच्छुक उम्मीदवारों को योजना के बारे में प्रासंगिक जानकारी प्राप्त हो सके, यह सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल अभियान चल रहा है.

बजट 2024-25 में घोषित, इस योजना का लक्ष्य पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ इंटर्नशिप प्रदान करना है. कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की अगुवाई में, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना भारत में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू अन्य मौजूदा कौशल विकास, प्रशिक्षुता, इंटर्नशिप और छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अलग है. यह स्वायत्त रूप से संचालित होती है और सभी चल रही केंद्रीय और राज्य सरकार की पहलों से स्वतंत्र रहती है.

इंटर्नशिप योजना का लाभ कौन उठा सकता है?

- आवेदक आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि तक 21 से 24 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक होने चाहिए.
- उन्हें पूर्णकालिक रोजगार या पूर्णकालिक शिक्षा में शामिल नहीं होना चाहिए.
- हालांकि, ऑनलाइन या दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में नामांकित उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं.
- उम्मीदवारों ने कम से कम हाई स्कूल (कक्षा 10) या हायर सेकेंडरी (कक्षा 12) तक की पढ़ाई पूरी की हो.

जिनके पास निम्नलिखित योग्यताएं हैं:

- ITI प्रमाणपत्र
- पॉलिटेक्निक संस्थानों से डिप्लोमा
- स्नातक डिग्री (जैसे, BA, B.Sc, B.Com, BCA, BBA, B.Pharma, आदि) योजना के लिए पात्र हैं.

कौन पात्र नहीं है?

- IITs, IIMs, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, IISERs, NIDs, और IIITs. जैसे प्रमुख संस्थानों से स्नातक.
- CA, CMA, CS, MBBS, BDS, MBA, या किसी भी मास्टर या उच्च डिग्री सहित पेशेवर या उच्च योग्यता रखने वाले उम्मीदवार.
- किसी भी केंद्रीय या राज्य सरकार की योजना के तहत किसी भी कौशल विकास, प्रशिक्षुता, इंटर्नशिप या छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्तमान में नामांकित व्यक्ति.
- उम्मीदवार जिन्होंने पहले राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (NATS) या राष्ट्रीय प्रशिक्षुता संवर्धन योजना (NAPS) के तहत प्रशिक्षुता या प्रशिक्षण पूरा किया है.

शेष पृष्ठ 3 पर

ईएन सप्ताह का प्रश्न
[illegible]
प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि: 19/3/2025
[illegible]
[illegible]

Follow us @Employ_News
Follow us @EmploymentNews